जय जय महाश्रमण

जय जय महाश्रमण

नारी लोक

अंक 231, सितम्बर 2017

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान)

हे प्रभो! यह तेरापंथ

अमृतवाणी

जीवन के अमर सत्य है–अहिंसा, सच्चाई, मैत्री, भ्रातृ भाव, प्रेम और सद्भावना। इनके बिना जीवन उसी तरह नीरस है, जिस तरह नमक के बिना भोजन।

– आचार्यश्री तुलसी

एक साथ रहने वालों में अहंकार का संतुलन नहीं होता है तो बात–बात पर, पग–पग पर कलह का स्वर उग्र हो जाता है। आग्रह–विग्रह ये सब अहंकार से पैदा होता है। अपने को उत्कृष्ट जताने, अपनी उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने में हर व्यक्ति को रसानुभव होता है। दूसरा उसे सहन नहीं कर पाता। कलह प्रबल हो जाता है। कलह निवारण के लिए अनेकान्त का सिद्धान्त बहुत महत्वपूर्ण है। उसके प्रयोग से सापेक्षता, समन्वय और सामंजस्य का दृष्टिकोण निर्मित होता है। आग्रह विनम्रता में बदल जाता है, दूसरों को समझने का दृष्टिकोण विकसित हो जाता है।

–आचार्यश्री महाप्रज्ञ

क्षमा याचना का महापर्व व्यक्ति के मन के भीतर व्याप्त कषाय को मंद करने का एक उपक्रम है। आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी लोगों से अतीत में जाने–अनजाने में हुई त्रुटियों के लिए खमत खामणा कर क्षमा मांगे और आने वाले समय के लिए बेहतर करने का प्रण ले। 'खामेमि सव्वे जीवां' श्लोक का प्रतिदिन एक बार चितारना होना चाहिए। खमत खामणा से आत्मा की विशुद्धि हो सकती है। क्षमापना करने से चित्त में प्रसन्नता की अनुभूति होती है। सभी जीवों के साथ मैत्री का भाव रखने की आवश्यकता है। आत्मभाव पुष्ट करने की दृष्टि से भाव की विशुद्धि होना जरूरी है।

–आचार्यश्री महाश्रमण

संवत्सरी महान पर्व है। इसकी तुलना किसी अन्य पर्व से नहीं की जा सकती। मन में व्याप्त अहंकार के पहाड़ों को ढहाने की व्यक्ति को आवश्यकता है। क्षमा व्यक्ति के भीतर फैले जहर को अमृत बनाने का माध्यम है। हमारे यहां तीन चिकित्सा पद्धति प्रचलित है। एलोपैथी, होम्योपैथी और आयुर्वेद क्षमा भी एक चिकित्सा है जो व्यक्ति को भीतर से स्वस्थ और मजबूत बनाती है। हमें कायाकल्प की प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता है। हमारा जीवन शांति व साधना के पथ पर अग्रसर होना चाहिए।

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा जी

अभिवादन

हे गुरुवर! तुम धीर हो, वीर हो, समुन्दर से गंभीर हो।
तुम अनाथों के नाथ और पैगम्बर के पीर हो,
तुम केवल तेरापंथ ही नहीं, पूरे विश्व के तकदीर हो।।

मेरी प्यारी कर्मठ बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

उपशम की साधना से आत्मा को उज्ज्वल बनाने वाला आध्यात्मिक पर्व **'पर्युषण'** सानन्द सम्पन्न हुआ। अविस्मरणीय बन जाते हैं, वो पल जब पुज्य प्रवर आचार्यश्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में इस पर्व की साधना की जाती है। आलौकिक बन जाते हैं वो क्षण जब चारित्रत्माओं के सम्पर्क से व गुरुवर की सतत् प्रेरणा से अध्यात्म के आइने में स्वयं की आत्मा को देखने का बोध मिलता है। पवित्र बन जाता है, आभा मंडल उनकी सद्प्रेरणा की गूंज से। गुरु की महिमा अपरम्पार है। हमारे गुरु आचार्यश्री महाश्रमणजी कल्पतरू की तरह सबको शीतल छाया प्रदान करते हैं। चिन्तामणि रत्न की तरह सबको चिन्मय बनने की प्रेरणा देते हैं। कामधेनु की तरह हर कार्य की सिद्धि का सोपान कराते हैं। नतमस्तक हैं हम ऐसे गुरु के प्रति जो नैतिक मूल्यों के विकास व अहिंसक चेतना के जागरण हेतु कटिबद्ध हैं। मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी हैं। सत्य व अहिंसा के पुजारी हैं।

श्रद्धासिक्त श्रद्धांजलि–तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु को, जो एक सत्य संधायक एवं सिद्धान्तनिष्ठ आचार्य थे। कालजयी व्यक्तित्व के धनी स्वामीजी ने सत्य को केवल जाना ही नहीं, अपितु जिया था। सत्य की अपराजेयता ही स्वामीजी की अपराजेयता बन गई। उनकी सत्यनिष्ठा ने अंधेरी ओरी में भी अध्यात्म का आलोक फैला दिया। विष बीज भी अमृत बीज बनकर कल्पवृक्ष बन गये। स्वामीजी सत्य के जाज्वल्यमान सूर्य थे।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं–उनकी सत्य निष्ठा को।

श्रद्धा प्रणत हैं–उनकी मर्यादाओं के प्रति, जिसके कारण आज तेरापंथ धर्म संघ अनुशासित, मर्यादित व व्यवस्थित धर्मसंघ है।

श्रद्धा अर्ध्य अर्पित करते हैं–उस महामानव को जिनकी उत्कृष्टता, आत्मोत्कर्ष बनकर चमत्कार बन गई।

''विघ्नहरण मंगलकरण स्वाम भिखु नों नाम,
गुण ओळख समरण कियां, सरै अचिन्त्या काम।।''

अब मंगलमय अवसर आ रहा है–**'योगक्षेम'** का, नये नेतृत्व का। योगक्षेम– यानि अप्राप्त की प्राप्ति, प्राप्त का संरक्षण। नये नेतृत्व के प्रति यही मंगल कामना है कि योगक्षेम से संकल्पित होकर संविधान के अनुरूप कार्य करते हुए संस्था को नयी ऊंचाइयां प्रदान करें। अतीत के अनुभवों के पन्नों पर वर्तमान के श्रम की स्याही से नये नेतृत्व (अध्यक्ष) की कलम से भविष्य के सुनहरे सपने संजोने हैं।

बहनों! आतुर हो रहा है मन अधिवेशन में आप सबसे रूबरू होने को। अवलोकन करना है आपके कर्तृत्व का। मूल्यांकन करना है– शाखा मंडलों के श्रम सिंचन का। समीक्षा करनी है – द्विवर्षीय काल में हुई गतिविधियों की। पिछले दो वर्षों में आध्यात्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, वैचारिक और आत्मिक गतिविधियां हुई। निर्माण से लेकर प्रचार–प्रसार का कार्य पूर्ण समर्पण के साथ हुआ। हमारी शाखा मंडलों की बहनों ने जो श्रम, स्नेह व सहयोग दिया, वो काबिले तारीफ है, सराहनीय है।

बहनों! इसी तरह आप कुशल कार्यकर्ता बनकर संस्था का रक्षा कवच बनें, क्यूंकि संस्था हमारी कर्मभूमि है।

कर्मभूमि पर फल पाने के लिए,
श्रम सबको करना पड़ेगा।
रब ने हाथों में लकीरें दी है,
पर उसमें रंग हमें भरना पड़ेगा।।

सद्भावना की ज्योति जले, नैतिकता का बिगुल बजे, समता की हो साधना, संयम की करें अराधना–इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ.....

आपकी अपनी

कल्पना बैद

कल्पना बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

अभिवादन

क्षमा–याचना

पर्युषण पर्व की आराधना से होती है संयम की सतत् साधना,
करते हैं–हम अन्त:करण से आप सभी से खमत–खामणा।

क्षमापना स्नेह संवर्द्धन की एक स्वस्थ परम्परा है। क्षमा चित्त शुद्धि व भाव शुद्धि का पर्व है। यह जैन समाज का एक अनूठा व अद्वितीय पर्व है, जो हमें आत्मोत्कर्ष की ओर ले जाता है। क्षमा आत्मा का नैसर्गिक गुण है। क्षमा एक ऐसा भाव है, जो हमें वैर, भाव, पाप, अभिमान से दूर रखकर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त कराता है। क्षमा एक ऐसा रक्षा कवच है, जो राग द्वेष से मुक्त करके ऋजुता का भाव पैदा कराता है। नि:श्छल भाव से ली गयी व दी गयी क्षमा अहंकार रूपी ज्वाला को शान्त करके निर्मलता का भाव पैदा करती है। क्षमा मनोकायिक रोगों की अचूक संजीवनी है। इस क्षमा रूपी संजीवनी से हमें जीवन को संवारना है। मानव जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक है। कुछ गलतियां हृदय को ठेस पहुंचा देती है, जिससे हमारे जीवन व्यवहार में कटुता आ जाती है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल समग्र महिला समाज से सभी शाखा मंडलों से सरल हृदय से खमत–खामणा करती है।

शुद्ध अंत:करण से करबद्ध क्षमत क्षामणा पूज्य प्रवर आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रति जिनका वरद् हस्त व स्नेहिल आशीर्वाद हमारी संस्था के विकास का सोपान बना।

विनयपूर्वक शुद्ध हृदय से खमत–खामणा मातृहृदया साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के प्रति जिनका वात्सल्यमय निर्झर, मार्ग दर्शन संस्था के उर्द्धारोहण में सहायक बना।

प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में वाणी, कर्म या व्यवहार से हुए अविवेक के लिये सभी चारित्रात्माओं से क्षमा याचना।

अंतरमन से क्षमा याचना– तेरापंथ महासभा, महिला मंडल, अखिल भारतीय युवक परिषद, टीपीएफ, कन्या मंडल, किशोर मंडल आदि सभी संघीय संस्थाओं से।

विशेष रूप से हार्दिक खमत–खामणा चातुर्मास व्यवस्था समिति से कोलकाता के अध्यक्ष, मंत्री व उनकी पूरी टीम से।

"Forgiveness is the best gift what human being can give."

कल्पना बैद
अध्यक्ष

सुमन नाहटा
मंत्री

करणीय कार्य

महिला मंडल

सितम्बर 2017

करणीय कार्य : धार्मिक अनुष्ठान

चातुर्मास का समय आध्यात्मिक जागरण का समय है। अत: इस समय बहनें अधिक से अधिक जप तप ध्यान स्वध्याय में अपने समय का नियोजन करें। क्षमायाचना दिवस पर सिर्फ वाणी से ही नहीं बल्कि शुद्ध अन्त:करण से एक दूसरे को क्षमा का आदान-प्रदान करें। सम्भव हो तो सभी शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी सुविधानुसार सितम्बर माह में सामूहिक क्षमा याचना के कार्यक्रम का आयोजन करें। इसमें अधिक से अधिक युवा पीढ़ी को संभागी बनाएं एवं उन्हें क्षमा के महत्व को समझाएं।

अक्टूबर 2017

करणीय कार्य : जैन जीवन शैली कार्यशाला

जैन जीवन शैली प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करें। जिसमें जैन जीवन शैली की महत्ता पर प्रकाश डालें।

दीपावली हमारा एक प्रमुख सांस्कृतिक पर्व है। रंगोली, वंदनवार व दीप मालाओं से घर को सुसज्जित किया जाता है। इसे आध्यात्मिक रूप देते हुए सभी शाखा मंडल अक्टूबर माह में दीपावली के आगमन के पूर्व अपने-अपने क्षेत्रों में वंदनवार प्रतियोगिता का आयोजन करें। अष्ट मंगल आदि जैन प्रतीकों का उपयोग करते हुए उनके अनुरूप वंदनवार को इस तरह सुसज्जित करें कि उसमें जैनत्व झलके।

एक विशेष निवेदन शाखा मंडलों से

- कृपया आपके क्षेत्र में नवनिर्वाचित अध्यक्ष व मंत्री का पता अति शीघ्र महामंत्री कार्यालय एवं आपकी क्षेत्रीय संयोजिकाओं को अवश्य भेजें। नारीलोक कौन से पते पर भेजनी है सूचित करें, तब तक नारीलोक पुराने पते पर ही जाएगी।
- **शनिवार सामायिक :** प्रत्येक बहन शनिवार सायं 7-8 बजे सामायिक करने का लक्ष्य रखें एवं समस्त परिवारजनों को भी प्रेरित करें। पूज्यवरों के मुख से निकली वाणी हमारे लिए जीवन कल्याणी है।
- **पक्खी का प्रतिक्रमण :** आचार्य प्रवर के निर्देशानुसार प्रतिक्रमण सीखने का क्रम बनाया जाए तथा महिला मंडल के कार्यकर्ता जागरुकता बरतें कि पक्खी के दिन बहनें प्रतिक्रमण अवश्य करें। जहां क्षेत्रों की दूरियां नहीं है, वहां सभा भवनों में करें अन्यथा बड़े क्षेत्रों में घर पर ही पक्खी के प्रतिक्रमण का संकल्प लें तथा एक आध्यात्मिक वातावरण बनाएं।
- **प्रतिदिन हो चौदह नियम का संकल्प :** हमारा जीवन संयमित हो, इसका प्रयास निरंतर चलता रहे। हम अपने व्यवहारिक जीवन में छोटे-छोटे संकल्पों के साथ आत्मविकास की ओर प्रयाण करें। अनावश्यक हिंसा से बचें। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि प्रतिदिन चौदह नियमों का संकल्प करने का लक्ष्य रखे।

स्वच्छ भारत अभियान

शौचालय निर्माण

इस्लामपुर : दिनांक 25 मई 2017 को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल इस्लामपुर द्वारा नेताजी एकाडमी माध्यमिक विद्यालय में दो सुविधागृह का निर्माण किया गया जिसका उद्घाटन अध्यक्ष नीतू श्रीमाल, मंत्री संगीता गोलछा एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। सफाई अभियान के अंतर्गत महिला मंडल द्वारा डस्टबिन, हारपिक, झाड़ू, बाल्टी, फिनेल आदि वस्तुएं दी गईं। स्कूल में बच्चों की पढ़ाई हेतु पेंसिल, कांपी, रबर आदि वितरित किए गए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने अपने विद्यालय में स्वच्छता हेतु पूरा आश्वासन दिया।

कोयम्बटूर : दिनांक 6 जून को कोयम्बटूर के वीरकेरलम गांव की बस्ती में दो शौचालयों का निर्माण करवाया। अध्यक्षा श्रीमती चंदा देवी सेठिया ने उद्घाटन किया। गांव के कौंसिलर श्रीमान गोविन्द राजन भी मौजूद थे। साथ ही बस्ती में एक शौचालय की मरम्मत और बस्ती में साफ-सफाई कराई गई।

बालोतरा : दिनांक 10 जुलाई को तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा द्वारा मजिवाला स्थित बालिका आदर्श विद्या मंदिर में पाँच शौचालय का उद्घाटन जैन संस्कार विधि से अध्यक्ष विमला जी लूंकण एवं मंत्री ममता गोलछा द्वारा किया गया। आदर्श विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या प्रमिलाजी, कमला देवी, देवी बाई, अयोध्याजी, रानी बाफना, उर्मिलाजी, भागु देवी, तारा भंडारी, चंद्रा देवी चोपड़ा आदि कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम बहुत सुंदर तरिके से संचालित किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान

शौचालय निर्माण

श्रीगंगानगर : दिनांक 24 जून को तेरापंथ महिला मंडल श्रीगंगानगर द्वारा खाराचक के सरकारी स्कूल में 2 शौचालय का निर्माण कराया गया। खाराचक के सरपंच जसकरण सिंह ग्रेवाल, मंडल की अध्यक्ष उमाजी बांठिया, मंत्री रायकंवरी कोटेचा एवं महिला मंडल की सदस्य तथा स्कूल की प्रधानाचार्या शशि बाला और अध्यापकगण मौजूद थे। उमा बांठिया ने सभी का स्वागत और अभिवादन किया। उमाजी ने शौचालय साफ रखने का बच्चों से अनुरोध किया। इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 11 कुर्सियां भेंट की गई। प्रधानाचार्य जी ने शौचालय साफ रखने का आश्वासन दिया और मंडल का आभार व्यक्त किया।

फरीदाबाद : फरीदाबाद महिला मण्डल ने शहर से 21 किलोमीटर दूर बघौला गांव के आँचल छाया अनाथाश्रम में एक शौचालय का निर्माण व पांच शौचालय का नवीनीकरण करवाया। 2 साल तक सभी शौचालयों के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी महिला मंडल ने ली। इस अवसर पर महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष कमला लुनिया, अध्यक्ष सुमंगला बोरड़, मंत्री सुनीता नाहटा, सहमंत्री शर्मिला बैद व आश्रम के संचालक श्री आनंद भिक्षु भी उपस्थित थे। आश्रम के बच्चों को स्वच्छता का प्रशिक्षण दिया गया। मंत्री सुनीता नाहटा ने कहा कि स्वच्छता में ही स्वस्थता निहित है। सहमंत्री शर्मिला बैद ने पानी व बिजली के उपयोग में विवेक रखने की प्रेरणा दी। बच्चों को मिठाई, फल व बिस्किट आदि वितरित किये गये तथा डस्टबिन, वाइपर, झाड़ू, फिनाइल आदि स्वच्छता के उपकरण भी आश्रम में रखवाये गये। बच्चों ने उच्च स्वर में स्वच्छता के संकल्प लिए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष–मंत्री 2017–19

स्थान	अध्यक्ष	मंत्री
कानपुर	निर्मला सुराणा	शालिनी जैन
पटना	अंजु दुगड़	सरिता बैद
मोमासर	किरण पटावरी	स्नेहलता पटावरी
जयपुर शहर	मधु श्यामसुखा	शकुन्तला चौरड़िया
उदयपुर	लक्ष्मी कोठारी	मंजु इनठोडिया
जयपुर सी स्कीम	सुशीला चोपड़ा	कनक दुधोरिया
सूरतगढ़	मंजु रांका	रंजना रांका
चित्तौड़गढ़	रिंकू खमसेरा	प्रेमदेवी आंचलिया
गंगापुर	सुशीला बाफना	अलका रांका
कटिहार	आभादेवी बेंगानी	सुषमा पटावरी
दक्षिण हावड़ा	शीला नाहटा	सरिता श्यामसुखा
जसोल	जयश्रीदेवी भंसाली	ललितादेवी मेहता
हिसार	सुमन जैन	कुसुम जैन
रिछेड़	प्रेमलता कच्छारा	मीनादेवी कच्छारा
उत्तर हावड़ा	कंचन पारख	कामख्या कुंज
बारडोली	प्रेरणा बाफना	मीना बाफना
सिगरा	मंजु बोथरा	रीना बैद
नोहार	तारादेवी बांठिया	विनीता छाजेड़
तोसम	मीनू जैन	
बदोदरा	भारती पारख	मंजु सामदेरिया
मैसूर	बनमाला नाहर	कामोश महर
नीमच	राजूदेवी बदोला	संगीता भंसाली
रायपुर	सोमया लूकड़	प्रमिला भंसाली
फरीदाबाद	रंजू नौलखा	ललिता बैद
गदग	संतोष भंसाली	शोभा संकलेचा
नौगांव	सरोज कुहार	अंजु गुजरानी
सेलम	उछब डूंगरमल	शालिनी लूंकड़
शिलांग	प्रेमलता सेठिया	सुधा लुनिया
हसन	संतोष भंसाली	संगीता कोठारी
कटक	इंदिरा लुनिया	सुमन बेताला
गुवाहाटी	विद्या कुंडलिया	मीरा सुराणा
अहमदाबाद	रेखा चिप्पड़	सजल मंणोत
बारूच	किरण बरिड़या	अंजु गुलगुलिया

बढ़ते कदम

नवनिर्वाचित अध्यक्ष–मंत्री 2017–19

स्थान	अध्यक्ष	मंत्री
चेन्नई	कमला गेलड़ा	शान्ती दुधोड़िया
नेपाल	सुमन बैद	बबीता खटेड़
भीलवाड़ा	प्रमिला गोखरू	मैना खटेड़
रतनगढ़	शांतिदेवी दुगड़	संतोष आंचलिया
बालोतरा	ओद्या	रानी बाफना
कोयम्बटूर	मधु बांठिया	मोनिका लुनिया
तमिलनाडु	सरोज दुगड़	शकुन्तला बारोला
इरोड	वीणा भूतोड़िया	पिंकी भंसाली (कांतादेवी)
बीकानेर	सुमन चोपड़ा	राजश्री बोथरा
आमेठ	उमा हीरा	मनु सांखला
मांडया	किरण भंसाली	पूनम बोहरा
सिलीगुड़ी	अर्चना बरमेचा	साधना सेठिया
इंदौर	साधना कोठारी	दीपिका मेहता
उड़ीसा	शशि सेठिया	प्रेमलता सेठिया
अलीपुरद्वार	नूतन बोथरा	सुधा बाफना
हुबली	कंचन चोपड़ा	सुशीला बाई बाफना
कोकराझाड़	संजुदेवी भडानी	अनिता लालानी
जोधपुर	कविता सुराणा	
सूरत	अरुणा देरासरिया	संजना बाबेल
राजसमन	नीता कवाडिया	सीमा धोखा
उत्तर दिनाजपुर	ललिता धारवा	संगीता गोलछा
हरियाणा	वनीता जैन	सुनीता नाहटा
दिल्ली	पुष्पा बोकाड़िया	सरोज सिपानी
चुरू	मधु बगरेचा	रेखा राकेचा
जयगांव	धानीदेवी गांधी	रेखा जम्मार
औरंगाबाद	प्रभा सुराणा	सुनीता सेठिया
नागपुर	मधु पुगलिया	सरिता डागा
बापी	संगीता मनोत	निर्मला कोठारी
दुर्गापुर	सरिता कोठारी	अमिता जैन
कुम्बाकोनम	मनीषा सेठिया	स्वेता सेठिया
रतलाम	चेतना कोठारी	शर्मिला बगरेचा
उधना	सुनीता जैन	जशु माफना
विजयनगरम	अनीता देवी बोथरा	कुसुम देवी छाजेड़

बढ़ते कदम

नवनिर्वाचित अध्यक्ष–मंत्री 2017–19

स्थान	अध्यक्ष	मंत्री
विजयवाड़ा	कुसुम दोषी	सरला बैद
बलरामपुर, सिकन्दराबाद	पुष्पा बांठिया	दमयंती सुराणा
काकीनाड़ा	संगीता सुराणा	
नवसारी, गुजरात	मीना बेन लक्ष्मी बोथरा	इंदिरा तेबा
मंगलोर	अलका जैन	कांता नाहटा
भीनासर	पंकज गोलछा	प्रमिला सेठिया
रेलमगरा	पुष्पा देवी मेहता	हेमलता लोढ़ा
केसिंगा	नम्रता जैन	ममता जैन

कन्या सुरक्षा सर्कल का उद्घाटन

नाथद्वारा : तेरापंथ महिला मंडल नाथद्वारा के द्वारा एक कन्या सुरक्षा सर्कल का निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा एवं ट्रस्टी प्रकाशजी तातेड़ की उपस्थिति में साध्वीश्री कुन्दनप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। अध्यक्ष सुमनजी कोठारी ने सभी का स्वागत किया। आभार मंजुजी मुथा ने किया। मंडल की बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

इचलकरंजी : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल इचलकरंजी द्वारा जूनाचंदूर रोड पर निर्मित कन्या सुरक्षा सर्कल का उदघाटन नगराध्यक्ष मा.सौ. अलकाजी स्वामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपनगर अध्यक्ष श्री प्रकाशजी मोरवाले, नगर सेवक श्री सागरजी चालके, श्री रविजी लोहार, अंजलिजी जाधव, माझी नगर अध्यक्ष मेघा चालके, माझी उपनगर अध्यक्ष श्री महावीर जी जैन, उपाध्यक्ष शांतिलालजी छाजेड़, श्री गंभीरमलजी डागलिया, जैन तेरापंथ न्यूज के सह–संपादक संजयजी वैदमेहता एवं सकल तेरापंथ समाज उपस्थित था। इचलकरंजी महिला मंडल अध्यक्ष सुनीताजी गीरिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कार्यसमिति सदस्य पुष्पाजी कटारिया ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की गतिविधियों के विषय में बताया। अलकाजी स्वामी ने कन्या सुरक्षा अभियान के अंतर्गत किये गये कार्य की भरपूर सराहना की। श्री पंकजजी जोगड़ ने जैन संस्कार विधि से सर्कल का उद्घाटन करवाया। जयसिंहपुर तेरापंथ महिला मंडल, भारतीय जैन संगठन, मारवाड़ी युवा मंच मिड टाउन आदि सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता भी उस अवसर पर उपस्थित थे। उपाध्यक्ष सीमाजी डागा ने आभार व्यक्त किया। संचालन मंत्री जयश्रीजी जोगड़ ने किया।

आभार

ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता नं. 20 के उत्तर

1. सम्यक् आजीविका
2. कार्य
3. यज्ञोविलास
4. सत भत संगी
5. गीतिका
6. कामना
7. नागौर
8. रत्नप्रभा
9. भावी
10. वीतराग
11. गरिमा
12. मार्ग
13. गच्छइ
14. इला–तल
15. ललना
16. नाम
17. मणोरमा
18. मानसिक
19. करूणाशील
20. लघुता
21. तात्विक
22. कलावतीजी
23. जीव
24. वत्सल
25. लघिमा

जुलाई माह के प्रश्नोत्तरी–20 के भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1.	भानु सुन्द्रेचा	: पाली	7.	माला छाजेड़	: अररिया कोर्ट
2.	सुशीला देवी महनोत	: उदासर	8.	वन्दना जैन	: पटियाला
3.	प्रियंका ओस्तवाल	: बालोतरा	9.	संगीता सूर्या	: धुलिया
4.	घेवरी देवी बैद	: गुवाहाटी	10.	कनक सिरोहिया	: कोलकाता
5.	सुनीता बोकड़िया	: मदुराई	11.	शशि बोथरा	: बरपेटा रोड
6.	लीला चिप्पड़	: लावा सरदारगढ़			

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की विभिन्न प्रवृत्तियों में अनुदान की राशि निम्नलिखित अनुदानदाताओं से अथवा उनके सद्प्रयासों एवं प्रेरणा से प्राप्त हुए।

51,000/– : श्रीमती पुखराजदेवी–कमलजी भूतोड़िया द्वारा सप्रेम भेंट, लाडनूं– बेंगलोर

21,000/– : शासन सेवी श्री जेसराजजी सेखानी के 94वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य मे पुत्रवधु श्रीमती संगीताजी–सरिताजी सेखानी द्वारा सप्रेम भेंट, बीदासर–कोलकाता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

नारी लोक हेतु सम्पर्क करें :
श्रीमती सौभाग बैद (जैन)
C-142, दयानंद मार्ग, तिलक नगर, जयपुर–302004
मोबाइल : +918003131111

बड़े प्रेम से मिल-जुल सीखें, मैत्री मंत्र महान रे।
औरों से लें क्षमा स्वयं, औरों को करें प्रदान रे।।

नारी लोक

– सम्पर्क सूत्र –

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती कल्पना बैद
5-डीई, अमर ज्योति,10, वेलवेडियर रोड, अलीपुर, कोलकाता-700 027, मोबाइल : 09831046456
ईमेल: abtmm.kalpana@gmail.com

महामंत्री
श्रीमती सुमन नाहटा
जी/67, कीर्ति नगर, नयी दिल्ली-110 015
मोबाइल : 098188 54120 ईमेल : nahata67@gmail.com

कोषाध्यक्ष
श्रीमती सरिता डागा
45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302 017
मोबाइल : 094133 39841 ईमेल : sarita.daga21@gmail.com

– नारीलोक संपादन सहयोग –
श्रीमती कमला छाजेड़ एवं **श्रीमती गुलाब सुराणा**, कोलकाता

www.terapanthinfo.com www.abtmm.org